

## नियुक्ति हेतु विज्ञापन

### **एनसीवीबीडीसी (NCVBDC) के बारे में**

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (NCVBDC), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (Dte. GHS), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW), भारत सरकार के अधीन कार्यरत है। यह राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP) का संचालन करता है, जिसका उद्देश्य मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार एवं लिम्फेटिक फाइलेरियासिस जैसे वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण करना है। इनमें से मलेरिया, लिम्फेटिक फाइलेरियासिस तथा कालाजार को उन्मूलन के लक्ष्य के रूप में निर्धारित किया गया है।

ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स, ट्यूबरकुलोसिस एंड मलेरिया (GFATM) के अनुदान चक्र 7 (2024-27) के अंतर्गत समर्थित तीव्र मलेरिया उन्मूलन परियोजना-3 (IMEP-3) के तहत, राष्ट्रीय स्तर पर एचआर और एसबीसीसी गतिविधियों के लिए एनजीओ-एसआर का चयन एक बजटित गतिविधि है, जिसके लिए पीसीआई इंडिया को एनजीओ-एसआर के रूप में चयनित किया गया है।

- (i) एनपीएमयू मलेरिया नियंत्रण, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, निगरानी एवं मूल्यांकन, उन्नत निगरानी और IHIP के सुचारू कार्यान्वयन, एसबीसीसी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा वित्त के क्षेत्रों में तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम होगी।
- (ii) आईईसी(IEC)/बीसीसी(BCC)/एसबीसीसी (SBCC) गतिविधियों को सुदृढ़ करना, आईईसी/एसबीसीसी अभियान सामुदायिक जागरूकता, सहभागिता एवं भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एनजीओ-एसआर स्थानीय संस्कृति के अनुरूप स्थानीय आवश्यकताओं को संबोधित करने हेतु सबसे उपयुक्त माध्यमों, सामग्रियों और अनुकूलित गतिविधियों के माध्यम से सभी संबंधित समूहों तक पहुंचने के लिए आवश्यकता-आधारित राज्य रणनीतियाँ एवं योजनाएँ विकसित करेगा। मलेरिया उन्मूलन प्राप्त करने और उसके बाद उसे बनाए रखने के लिए लक्षित आबादी तक पहुंचने हेतु, जिसमें वर्चुअल प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं, विशिष्ट संदेशों और हस्तक्षेपों के साथ व्यापक मल्टीमीडिया दृष्टिकोण के माध्यम से नवीन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा। नवाचारी हस्तक्षेपों में, सभी संबंधित हितधारकों के साथ वकालत के अतिरिक्त, मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने हेतु जन-अभियानों का विकास शामिल होगा।

### पीसीआई इंडिया (PCI India) का परिचय:

पीसीआई इंडिया, भारत में एक पंजीकृत संस्था है जो पिछले 26 वर्षों से भारत में कार्यरत है। हम समुदायों के जीवन को बड़े पैमाने पर बदलने के लिए जटिल विकासात्मक चुनौतियों के समाधान हेतु प्रभावी हस्तक्षेप लागू करने में प्रयासरत हैं। पिछले वर्ष, पीसीआई इंडिया ने 202 जिलों के 15 राज्यों में 1.7 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई है।

### विज्ञान और मिशन:

विज्ञान -- सभी के लिए खुशहाल, स्वस्थ, सुरक्षित और सतत संसार

मिशन – हम सामुदायिक वास्तविकताओं के मूल में गहराई से जुड़े हैं, और जटिल विकास समस्याओं के सतत समाधान को सह-निर्मित और विस्तार करते हैं

## पद का विवरण

पदनाम: राष्ट्रीय सलाहकार – M&E

पदों की संख्या: 04

स्थान – एनसीवीबीडीसी (NCVBDC), दिल्ली

**उद्देश्य:** GFATM द्वारा समर्थित तीव्र मलेरिया उन्मूलन परियोजना (IMEP-3) के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु विभिन्न राज्यों में विभिन्न स्तरों (राष्ट्रीय/राज्य/जिला/उप-जिला) पर NCVBDC को समर्थन प्रदान करना। यह पद, जो NCVBDC में आधारित होगा, कार्यक्रम में दक्षता और प्रभावशीलता लाने तथा योजना और कार्यान्वयन के बीच अंतर को पाटने के लिए विभिन्न स्तरों पर साक्ष्य-आधारित निर्णय-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## कार्य दायित्व:

- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों/जिलों में मलेरिया की महामारी स्थिति की निगरानी करना और कार्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन के विभिन्न घटकों (राज्य एवं जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं सहित) का सहयोग /पर्यवेक्षण करना।
- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में एक समग्र निगरानी एवं मूल्यांकन योजना (जिसमें डेटा संग्रह फॉर्मेट, रिपोर्टिंग प्रारूप, लॉग फ्रेम, निगरानी एवं मूल्यांकन हेतु मैट्रिक्स आदि शामिल हैं) विकसित करना और इसके प्रभावी एवं सहभागी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना।
- विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन का पर्यवेक्षण एवं निगरानी करना, उनकी मासिक गतिविधि रिपोर्टों का विश्लेषण करना और उन्हें फीडबैक प्रदान करना।
- परियोजना के विभिन्न स्तरों पर तथा समग्र कार्यक्रम के लिए मध्यावधि/अंतिम अवधि मूल्यांकन हेतु कार्यप्रणाली की योजना बनाना और कार्यान्वित करना, जिसमें टूल्स, परीक्षण साधन, सहायक पर्यवेक्षण एवं निगरानी के लिए स्पष्ट संकेतक शामिल हों।
- परियोजना/कार्यक्रम के गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर NCVBDC अधिकारियों/अन्य परामर्शदाताओं तथा विभिन्न स्तरों पर सार्वजनिक एवं निजी हितधारकों के साथ सहयोग में कार्य करना।
- HMIS के कार्यान्वयन में सहयोग करना, समय-समय पर इसकी स्थिति की समीक्षा करना तथा समग्र M&E/MIS से संबंधित दिशानिर्देशों और जानकारी की तैयारी एवं प्रस्तुति में योगदान देना।
- राज्यों/जिलों से प्राप्त मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक रिपोर्टों की समीक्षा करना, सहमत लक्ष्यों और प्रगति के आधार पर, साथ ही डैशबोर्ड से संबंधित कार्यक्रम संकेतकों की समीक्षा करना।
- स्वीकृत वार्षिक कार्य योजनाओं का राज्य/जिला VBDCPs को समेकन एवं प्रसार सुनिश्चित करना और परिणाम फ्रेमवर्क के आधार पर समय पर प्रगति रिपोर्ट तैयार करना।
- राज्य/जिला स्तर पर सामने आई समस्याओं/पहचाने गए मुद्दों तथा आवश्यक कार्रवाइयों के संबंध में NCVBDC को समय पर अद्यतन जानकारी प्रदान करना।
- राष्ट्रीय/राज्य परामर्शदाता-कीट विज्ञान (Entomology) के सहयोग से कीट विज्ञान निगरानी एवं प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु परिचालन योजना विकसित करना।
- निगरानी प्रणाली एवं मूल्यांकन आदि पर रणनीतियों के कार्यान्वयन के लिए एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP), एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (IHIP) और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ समन्वय बनाए रखना।

- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों/जिलों में मलेरिया और अन्य VBD प्रकोपों से निपटने हेतु महामारी तैयारी को सुगम बनाना और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना।
- अंतर-सीमावर्ती मलेरिया, दवा एवं कीटनाशक प्रतिरोध, बिना लक्षण वाला मलेरिया, मानक उपचार दिशानिर्देश, मलेरिया उन्मूलन प्रमाणन प्रक्रिया आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने हेतु रणनीतियों के निष्पादन एवं दस्तावेजीकरण में NCVBDC और राज्यों/जिलों को सहयोग करना।
- प्रति माह कम से कम 10 दिनों के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों/जिलों में फील्ड विज़िट करना ताकि स्थिति का विश्लेषण, कार्यान्वयन का आकलन, कमियों का पता करना ताकि सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं/गांवों की अधिकतम पहुँच और संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो।
- राष्ट्रीय, राज्य, जिला एवं उप-जिला स्तर पर NCVBDC एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का ऑनलाइन तथा प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण करना।
- राष्ट्रीय एवं उप-राष्ट्रीय स्तर पर समीक्षा बैठकों की योजना एवं आयोजन में भाग लेना।
- रिपोर्टिंग प्राधिकरण द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य करना।

### योग्यता एवं अनुभव

पद	योग्यता एवं अनुभव	मानदेय (प्रति माह)
राष्ट्रीय सलाहकार – M&E (National Consultant M&E)	MBBS के साथ PSM/कम्युनिटी मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा या MBBS/BDS/BAMS/BHMS के साथ MPH एवं राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य में 3-5 वर्षों का अनुभव या • जनसांख्यिकी (Demography) एवं जनसंख्या अध्ययन (Population Studies) /बायो-स्टैटिस्टिक्स (Biostatistics) में मास्टर डिग्री तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में 5-7 वर्षों का अनुभव	₹ 1,25,000 - ₹ 1,50,000

### कौशल:

- निगरानी, फील्ड महामारी विज्ञान, प्रकोप प्रतिक्रिया एवं VBD नियंत्रण के क्षेत्र में दक्षता।
- MS Word, Excel, PowerPoint एवं वेब सर्फिंग जैसे सामान्य सॉफ्टवेयर/पैकेजों में कंप्यूटर दक्षता।
- SPSS, Epi Info आदि सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजों का ज्ञान एवं दक्षता।
- उत्कृष्ट मौखिक एवं लिखित संचार कौशल, प्रस्तुति कौशल, विश्लेषणात्मक एवं अंतर-व्यक्तिगत क्षमताएँ।
- बहु-विषयक टीम वातावरण में कार्य करने की सिद्ध क्षमता।

### नियुक्ति का स्वरूप:

नियुक्ति प्रारंभ में एक वर्ष के लिए अनुबंध आधार पर होगी और उसके पश्चात प्रदर्शन मूल्यांकन (कार्य निष्पादन, व्यक्तिगत गुण, कार्यात्मक दक्षता आदि के आधार पर) के अनुसार वार्षिक रूप से (या निर्दिष्ट अवधि के लिए) बढ़ाई जा सकती है।

**रिपोर्टिंग:**

रिपोर्टिंग GFATM के नोडल अधिकारी को होगी, जिसके तहत NCVBDC के निदेशक की समग्र निगरानी में कार्य किया जाएगा।

**आयु सीमा:** अधिकतम 45 वर्ष और व्यापक रूप से यात्रा के लिए तैयार होना चाहिए।

**समाप्ति:** कोई भी पक्ष लिखित रूप में एक माह का नोटिस देकर अनुबंध समाप्त कर सकता है।

**चयन:** चयन और नियुक्ति विज्ञापन के माध्यम से की जाएगी, उसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए लिखित परीक्षा/साक्षात्कार होगा।

**आवेदन की प्रक्रिया:**

इच्छुक उम्मीदवार निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके पद के लिए आवेदन कर सकते हैं: एनसीवीबीडीसी (NCVBDC), एनसीडीसी (NCDC), आईसीसीएम (ICCM), पीसीआई इंडिया (PCI India), डेवनेट (DevNet) & लिंकडीन (Linkedin). आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 जून 2026 है

<https://www.pciglobal.in/jobs/national-consultant-me-2/>

पीसीआई इंडिया कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें यौन उत्पीड़न, शोषण, दुरुपयोग, नैतिकता का अभाव या वित्तीय कदाचार शामिल हैं।